बुधवार
27 अप्रैल 2022

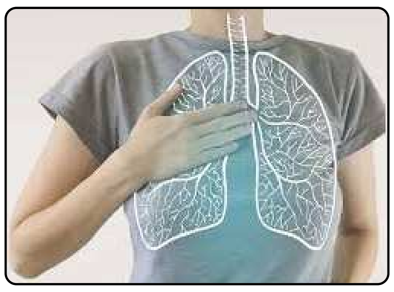

पृष्ठ 4
तनाव से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं ये ब्रीथिंग एक्सरसाइज

पृष्ठ 5
हुमा कुरैशी बायोपिक में निभाएंगी तरला दलाल की भूमिका

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 88
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

देश कभी चोर उचक्कों की करतूतों से बरबाद नहीं होता बल्कि शरीफ लोगों की कायरता और निकम्मेपन से होता है।
– शिव खेड़ा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

राज्य पेट्रोलियम पर वैट कम करें: मोदी

विशेष संवाददाता

देहरादून/नई दिल्ली। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश में कोरोना के मामलों को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वर्चुअल संवाद किया हो लेकिन उनके इस संवाद में उनका फोकस वैश्विक आर्थिक संकट पर ही रहा। पीएम मोदी ने इस आर्थिक संकट के दौर में राष्ट्रहित में राज्यों से पेट्रोलियम पदार्थों पर वैट कम करने की अपील की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंतराष्ट्रीय परिस्थितिजनक कारणों से पेट्रोल व डीजल के दामों में भारी बढ़ोतरी से आम आदमी को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस आर्थिक संकट के दौर में हमें आपसी सहयोग से काम करने की जरूरत है। उन्होंने तमाम राज्यों में आज पेट्रोल डीजल की कीमतों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ राज्यों में पेट्रोल 115 से 120 रूपये लीटर बेचा जा रहा है वहीं कुछ राज्यों में यह 100 के आसपास है उन्होंने उत्तराखंड राज्य का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उत्तराखंड छोटा सा राज्य है लेकिन वहां 103 रूपये लीटर

❑राज्य के लोगों की भलाई के बारे में सोचें
❑कोरोना को लेकर सतर्क रहने की सलाह

पेट्रोल है जबकि मुंबई, कोलकाता में 120 रूपये। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि वैट कम करने से राज्यों की आय कम होगी लेकिन यह समय की जरूरत है कि अपने राज्यों के लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए वह वैट घटाएं। उन्होने कहा कि मैं किसी राज्य की बुराई नहीं कर रहा हूं। लेकिन राष्ट्रहित में सभी को सामूहिक सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैंने बीते साल नवंबर में भी सभी राज्यों से वैट कम करने की अपील की थी लेकिन कुछ राज्यों ने वैट नहीं घटाया और जिन राज्यों ने वैट कम कर दिया वहां अभी पेट्रोल–डीजल सस्ता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपनी कुल आय का 42 फीसदी राज्यों के विकास पर खर्च करती है। जिसमें सभी की जरूरतों का ध्यान रखा जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर से देश के कई राज्यों से कोरोना केस बढ़ने की खबरें आ रही है उन्होंने कहा कि हमें अभी सतर्क रहने की जरूरत है। हमने दूसरी लहर के दौरान जो परेशानियां देखी हैं उनकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। तीसरी लहर में बहुत कम नुकसान हुआ क्योंकि हमने वैक्सीनेशन पर ठीक से ध्यान दिया था। उन्होंने कहा कि हम स्वास्थ्य सेवाओं में ढांचागत सुधार करने में जुटे हैं अब छोटी उम्र के बच्चों को भी टीका लगाने का काम शुरू हो रहा है। लेकिन हमें मास्क और दो गज की दूरी और हाथ धोने की आदत नहीं छोड़नी है। उन्होने कहा कि अब स्थिति किसी भी सूरत में बिगड़नी नहीं चाहिए।

बाल सुरक्षा के साथ शिक्षा व स्वास्थ्य भी जरूरी: धामी

●बाल अधिकार संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

विशेष संवाददाता

देहरादून। बच्चों को हम क्या दे सकते हैं? यह एक ऐसा विषय है जो सिर्फ उनकी सुरक्षा से ही संबंधित नहीं बल्कि उनके स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ उनके समग्र विकास से जुड़ा हुआ है।

यह बात आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुभाष रोड स्थित एक होटल में महिला एवं बाल विकास आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला में कही गई। जिसका आयोजन पोक्सो एक्ट से संबंधित जानकारियों को लेकर किया गया था। मुख्यमंत्री ने इस कार्यशाला में कहा गया कि बच्चों को संरक्षण की सबसे अधिक जरूरत होती है। क्योंकि उन्हें किसी भी विषय की जानकारी नहीं होती। बच्चों के यौन शोषण से लेकर बाल श्रम और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम ऐसी समस्याएं हैं जिनके समाधान में हर व्यक्ति बच्चों का संरक्षक बन सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को हम कहानी किस्सों के जरिए ऐसी शिक्षा–दीक्षा दे तक जो उनके चरित्र और भविष्य के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकती है, दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की हर समस्या को लेकर जागरूक रहने की जरूरत है।

इस अवसर पर मौजूद आयोग की

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

लिफ्ट टूटने से 10 छात्र घायल, 3 की हालत गंभीर

गाजियाबाद । दिल्ली एनसीआर से सटे गाजियाबाद में स्थित आईएमएस कॉलेज में बड़ा हादसा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉलेज कैंपस में परिसर के पीछे बने हॉस्टल की लिफ्ट अचानक टूटने से बड़ा हादसा हो गया है। इससे लिफ्ट में सवार १० छात्र घायल हो गए। बताया जा रहा है कि जिसमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। ये मामला आईएमएस कॉलेज का है। वहीं, सभी घायलों को पास में स्थित कोलंबिया एशिया अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जानकारी के अनुसार लिफ्ट में बीबीए, बीसीए और एमआईबी के छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, गाज़ियाबाद के मसूरी क्षेत्र में स्थित आई एम एस कॉलेज में अचानक लिफ्ट का थम्बल टूटने से १० लोग घायल हो गए है। जिसमें एक छात्र को गंभीर चोट आई है तो दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि १० छात्रों घायल हैं। जिन्हें पास ही के अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा पहुंची पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा आईएमएस के ध्रुव ब्वॉयज हॉस्टल में उस वक्त हुआ जब १२ छात्रों से भरी लिफ्ट पांचवें फ्लोर से नीचे आ रही थी। इस दौरान अचानक लिफ्ट टूटने से सभी छात्र घायल हो गए हैं। जिसमें लिफ्ट टूटने से १० छात्र घायल हो गए हैं। ऐसे में एक छात्र के पैर में फ्रेक्चर है तो एक छात्र की पीठ में चोट आई है।

भारत में कोरोना के करीब तीन हजार नए मामले आए, संक्रमण से 32 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–१९ के २,९२७ नए मामले सामने आने से देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर ४,३०,६५,४९६ हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी बढ़कर १६,२७९ पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से ३२ और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२३,६५४ हो गई है।

वहीं, देश में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर १६,२७९ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०४ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में

६४३ की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.७५ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.५८ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.५९ प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल ४,२५,२५,५६३ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२२ प्रतिशत है।

वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १८८.१९ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २९ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

देश में १९ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

सांप्रदायिक सद्भाव जरूरी

आज अगर हेट स्पीच अथवा सांप्रदायिक हिंसा की वारदातें चर्चाओं के केंद्र में है तो यह बेवजह नहीं है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कल तीन राज्यों में हुई घटनाओं की सुनवाई करते हुए अगर यह कहा गया कि यह सब जानते हैं कि यह क्यों हो रहा है और इसे कैसे रोका जा सकता है तो इसमें असत्य कुछ भी नहीं है अदालत ने जब उत्तराखंड को सख्त हिदायत देते हुए यह कह दिया गया कि अगर आगे ऐसा कुछ भी होता है तो उसके लिए मुख्य सचिव, गृह सचिव जैसे अधिकारी जिम्मेदार होंगे तो आनन-फानन में हरकत में आए अधिकारियों ने भगवानपुर के गांव टांडा जलालपुर में आज होने वाली हिंदू महापंचायत के आयोजन पर रोक लगानी पड़ी और आयोजकों को हिरासत में लेकर टेंट-तंबू उखाड़ फेंके गए बात चाहे राजनीतिक हलके की हो या फिर सामाजिक हलके की दो बातें हमेशा ही सामानान्तर रूप से जारी रहती हैं। एक बात है नकारात्मक रवैया और सोच के साथ लक्ष्य प्राप्त करने की तो दूसरी सोच है सकारात्मक सोच व बयान और कृत्य के साथ आगे बढ़ने की। देश की राजनीति और समाज दोनों पर मंडल यानी जातीय आधार पर आरक्षण का लाभ और कमंडल यानी मंदिर और मस्जिद के जरिए हिंदू-मुस्लिमों को बांटने की यह दोनों ही तथ्य देश और समाज तथा राजनीति के लिए अपघाती रहे हैं लेकिन समाज और राजनीति में इनकी जड़ें इतनी गहरी पैठ बना चुकी है कि हर जगह हर मुद्दे पर सिर्फ टकराव है और तकरार है। सामाजिक विभाजन की सीमा रेखाएं खींचकर भले ही किसी वर्ग विशेष या राजनीतिक दल को इसका अधिक लाभ मिल जाए लेकिन इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं हो सकते हैं। सामाजिक अशांति और टकराव की स्थिति में कोई देश विकास की सीढ़ियां नहीं कर रहा। अभी बीते दिनों में लिंचिंग की घटनाओं से लेकर धार्मिक जलसे-जुलुसों में हिंसा तथा पथराव की जो घटनाएं सामने आई हैं उन्हें लेकर अदालत की चिंता स्वाभाविक है आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की दिशा में यह अदालत की एक सकारात्मक पहल है। धर्म के ठेकेदारों द्वारा एक दूसरे समुदाय के लोगों को लेकर जिस तरह का विष वमन किया जा रहा है उससे भले ही किसी का कुछ भला न हो लेकिन इस नफरती बयानों से समाज में विघटन और विभाजन की सीमा रेखाएं जरूर खिंच रही हैं एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर इस देश में अमन चैन और सामाजिक सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है। समाज और प्रशासन ही अगर उन्माद फैलाने का काम करने लगेंगे तो फिर भला हम कैसे मजबूत राष्ट्र और सुखी समाज की कल्पना कर सकते हैं। निश्चित तौर पर अदालत का यह फैसला कुछ लोगों को रुचिकर न लग रहा हो लेकिन यह फैसला राष्ट्र व समाज हित में महत्वपूर्ण है। देश में किसी भी कोने में अगर किसी के द्वारा भी नफरत फैलाने के प्रयास किए जाते हैं तो ऐसे लोगों के खिलाफ अदालतों को और सख्त होने की जरूरत है। सांप्रदायिक सद्भाव सभी की जिम्मेवारी है यह सुनिश्चित किया जाना वर्तमान में सबसे ज्यादा जरूरी है।

राज्य में कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का पूर्णतः अनुपालन करवाया जाएः मुख्यमंत्री

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कोविड-१९ के दृष्टिगत देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

बाद मे सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिये कि कोविड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का पूर्णतः अनुपालन करवाया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पतालों का फायर सेफ्टी ऑडिट करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोरोना की संभावित लहर के दृष्टिगत अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं हों और पर्याप्त मेनपॉवर हो। टेस्ट, ट्रैक एवं ट्रीट पर विशेष फोकस रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में टीकाकरण अभियान में और तेजी लाई जाए। १२ से १४ वर्ष के आयु के बच्चों में टीकाकरण की गति में और तेजी लाये जाने की आवश्यकता है। टीकाकरण के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के साथ कोविड पर नियंत्रण रखना होगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्रीमती राधिका झा, अपर सचिव श्रीमती सोनिका, प्रो. दुर्गेश पंत एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विपक्ष की हाय तौबा से भाजपा को फायदा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के नेताओं के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। लगभग सभी के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों- सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि एकाध अपवादों को छोड़ दें तो गिरफ्तारी किसी की नहीं हुई है। उलटे जो लोग पहले से केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में थे उनकी रिहाई हो गई है। केंद्र की पिछली यूपीए सरकार के समय 2जी घोटाले का सबसे बड़ा हल्ला मचा था लेकिन इसके सारे आरोपी सीबीआई की विशेष अदालत से बरी हो गए हैं। बाकी घोटालों जैसे कोयला घोटाला, आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला, एंट्रिक्स-देवास घोटाला आदि की भी कहीं चर्चा नहीं होती है। विपक्ष के नेताओं की नए नए मामलों में जांच चल रही है और सबके सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है।

यंग इंडियन और एसोसिएटेड जर्नल्स के केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों उलझे हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियां उनके साथ साथ मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल से भी पूछताछ कर रही हैं। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज जब तक जीवित थे, तब तक उनसे भी पूछताछ होती थी। बरसों से यह मामला एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाया है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का दायरा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक है। क्रिकेट एसोसिएशन और बैंक घोटाले में कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों से पूछताछ हुई है तो केरल के मुख्यमंत्री तक सोने की तस्करी की जांच पहुंची है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के कोई 14 नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जांच चल रही है तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी व उनकी पत्नी सहित तृणमूल के एक दर्जन नेताओं पर जांच चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी, शिव सेना, डीएमके, अन्ना डीएमके से लेकर ईमानदार राजनीति करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी तक कोई भी दल नहीं है, जिसके बड़े नेताओं के खिलाफ जांच नहीं चल रही है या जिनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की तलवार नहीं लटकी हुई है।

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का दायरा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक है। क्रिकेट एसोसिएशन और बैंक घोटाले में कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों से पूछताछ हुई है तो केरल के मुख्यमंत्री तक सोने की तस्करी की जांच पहुंची है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के कोई 14 नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जांच चल रही है तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी व उनकी पत्नी सहित तृणमूल के एक दर्जन नेताओं पर जांच चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी, शिव सेना, डीएमके, अन्ना डीएमके से लेकर ईमानदार राजनीति करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी तक कोई भी दल नहीं है, जिसके बड़े नेताओं के खिलाफ जांच नहीं चल रही है या जिनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की तलवार नहीं लटकी हुई है।

ध्यान रहे जांच सबकी चल रही है, छापे पड़ रहे हैं और पूछताछ भी हो रही है लेकिन गिरफ्तार सिर्फ दो-तीन नेता ही हुए हैं। वह भी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं, बल्कि दूसरी-तीसरी पंक्ति के नेता। क्या विपक्षी पार्टियों को इसका मतलब नहीं समझ रहा है? इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार उनकी साख खराब करने का काम कर रही है। उनको डिसक्रेडिट किया जा रहा है। आम लोगों के मन में उनकी छवि बेईमान नेता की बनाई जा रही है। ऐसा नहीं है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे हुए हैं। मामले पुराने भले हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का आधार है। आरोप छोटा हो या बड़ा लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई ने आम लोगों के मन में विपक्ष के नेताओं की छवि खराब की है। पहले नेता पर आरोप लगते थे या गिरफ्तारी होती थी तो उनके प्रति लोगों की सहानुभूति बढ़ती थी, उनके समर्थक एकजुट होते थे लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। क्योंकि अब नेताओं पर कार्रवाई राजनीतिक मुकदमे में नहीं हो रही है, बल्कि भ्रष्टाचार के मुकदमे में हो रही है। नेता संपूर्ण क्रांति आंदोलन या अयोध्या आंदोलन, निजीकरण, उदारवाद, महंगाई आदि के विरोध प्रदर्शन में नहीं पकड़े जा रहे हैं। आंदोलन तो नेता लोग ट्विटर पर कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई तो कर चोरी, धन शोधन या भ्रष्टाचार से जुड़े दूसरे मामलों में हो रही है।

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर विपक्षी पार्टियां जिस तरह से हाय तौबा मचा रही हैं उससे भी इसका प्रचार हो रहा है। एक तरफ सरकार और सत्तारूढ़ दल का मीडिया व सोशल मीडिया में प्रचार है और ऊपर से विपक्षी पार्टियां हाय तौबा मचा कर खुद ही इसका प्रचार कर दे रही हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को बदले की कार्रवाई बताती हैं और एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जब सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था तब तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली ही सरकार थी! क्या कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों ने तब इन एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं किया था? कांग्रेस ने तो अपने ही लोगों के खिलाफ इन एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया था। अपने पिता के निधन के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा कर रहे जगन मोहन रेड्डी को कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई के तहत जेल भेजा था। कांग्रेस के समर्थन से झारखंड के मुख्यमंत्री बने मधु कोड़ा के खिलाफ कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई की थी। सुरेश कलमाडी से लेकर मारन बंधुओं और कनिमोझी तक के खिलाफ क्या कांग्रेस के समय केंद्रीय एजेंसियों ने तटस्थता से काम किया था? क्या राज्यों में जहां गैर भाजपा दलों की सरकार है वहां पुलिस निष्पक्ष और तटस्थ होकर काम कर रही है?

असल में विपक्षी पार्टियों ने जो बोया है वह काट रहे हैं। इस तर्क से उनका बचाव नहीं हो सकता है कि उनके समय केंद्रीय एजेंसियों का कम दुरुपयोग हुआ और अब ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है या उनके समय मामला ढका-छिपा था और अब खुलेआम हो रहा है। उलटे केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी पार्टियां जितना हाय तौबा मचाती हैं उतना उनका नुकसान होता है। लोगों में यह धारणा बनती है कि अगर नेता ने कोई गड़बड़ी नहीं की है तो कार्रवाई से क्यों डर रहा है। ध्यान रहे सीबीआई सहित तमाम केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ तमाम प्रचार के बावजूद उनकी साख बहुत खराब नहीं हुई है। इसका कारण यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद भी हर घटना पर सीबीआई जांच की मांग करती रहती हैं। आम लोग भी कोई घटना होने पर सीबीआई जांच की मांग करते हैं। अदालतें किसी गंभीर मामले को उठाती हैं तो सीबीआई जांच की सिफारिश करती हैं।

एक सवाल यह भी उठता है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भाजपा नेताओं के खिलाफ क्यों नहीं होती है? कोई भी नेता भाजपा में शामिल हो जाता है उसकी जांच क्यों बंद हो जाती है? क्या भाजपा के सारे नेता दूध के धुले हैं? हकीकत यह है कि कोई दूध का धुला नहीं है। एक बार जिस पार्टी या नेता ने राज कर लिया या शासन में रह लिया उसके ईमानदार रहने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। लेकिन सवाल है कि भाजपा के नेता भी अगर बेईमान हों तो क्या इससे विपक्ष के नेताओं की बेईमानी ईमानदारी में बदल जाएगी? हो सकता है कि भाजपा के नेता भी बेईमान हों लेकिन इस वजह से कांग्रेस या दूसरे दलों के नेताओं पर होने वाली कार्रवाई को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। यह नैतिकता का सवाल हो सकता है लेकिन राजनीति नैतिकता से नहीं चलती है। सो, विपक्षी पार्टियों को हाय तौबा मचाने की बजाय जांच का सामना करना चाहिए, कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और साथ साथ राजनीतिक लड़ाई भी लड़नी चाहिए ताकि उन्हें भी मौका मिले और वे भी अपने हिसाब से एजेंसियों का इस्तेमाल कर सकें।

उच्छा दिवो दुहितः प्रत्नवन्नो भरद्वाजवद्विधते मघोनि।
सुवीरं रयिं गृणते रिरीह्युरुगायमधि धेहि श्रवो नः।।

(ऋग्वेद ६-६५-६)

शुभ आचरण करने वाली पत्नी घर के सौभाग्य में वृद्धि करती है। 'कन्या का जन्म और नवविवाहिता का घर में प्रवेश' उषा के समान है। जो परिवार में प्रकाश, सम्मान और समृद्धि में वृद्धि लाता है।

A virtuous wife's conduct increases the fortune of the house. The *birth of a girl child and the entry of a newly-wed woman* is like Usha, which brings light, honour and prosperity to the family. (Rig Veda 6-65-6)

सुरेन्द्र जयसवाल हत्याकाण्डः डेढ़ माह से अधिक समय के बाद भी पुलिस अंधेरे में

संवाददाता

देहरादून। सुरेन्द्र जयसवाल हत्याकाण्ड के एक माह 25 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस हत्याकाण्ड में हत्यारे को गिरफ्तार करना तो दूर हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए अंधेरे में हाथ पैर मारने के अलावा कुछ नहीं कर सकी है।

उल्लेखनीय है कि दो मार्च की सुबह करनपुर बाजार निवासी सुरेन्द्र जयसवाल की हत्या होने का आसपास के लोगों को तब पता चला जब उसके यहां पर निर्माण कार्य कर रहा मिस्त्री वहां पर पहुचा। बाजार में वन विभाग के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी का उसके घर के अन्दर हत्या किये जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। आसपास के लोगों की भीड वहां पर जमा हो गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंचने के बाद बताया कि हत्या बैल्ट से गला घोंटकर की गयी है।

हत्याकाण्ड के बाद पुलिस अधिकारियों ने कई टीमों का गठन किया और घटना का खुलासा करने के लिए उनको लगाया। पुलिस टीमों ने मामले की जांच आगे बढायी लेकिन कोई सूत्र हाथ नहीं लगा। इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने करनपुर चौकी प्रभारी को हटाकर अपनी एक उपलब्धी जनता को दिखायी लेकिन चौकी प्रभारी को हटाकर भी कोई रास्ता दिखायी नहीं दिया। समय बीतता गया और लोग इसको भूलते चले गये। पुलिस ने कई पहलुओं पर जांच आगे बढायी लेकिन जहां से चले थे फिर वहीं पर खडे हो गये। इस हत्याकाण्ड में पुलिस की टीमें जिस पहलु पर जांच आगे बढाती लेकिन आगे अंधेरा ही दिखायी देता। अंधेरे में कुछ भी दिखायी नहीं दिया तो फिर हत्यारा कहां से दिखायी देगा। एक माह 25 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक हत्याकाण्ड के कारणों का भी पता नही लगा सकी है तो फिर हत्यारे को कहां से तलाशेगी?

कांग्रेस पार्षद के खिलाफ हो मुकदमा दर्जः रावत

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल की पूर्व महिला प्रकोष्ट की केन्द्रीय अध्यक्ष प्रमिला रावत ने कहा कि आन्दोलनकारियों का अपमान करने वाली कांग्रेस पार्षद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

आज यहां एक बयान जारी करते हुए रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्षद द्वारा उत्तराखण्ड के शहीद राजेश रावत के विरूद्ध अशोभनीय टिप्पणी की है उसकी उक्रांद कडे शब्दों में निन्दा करता है। उक्रांद की पूर्व महिला प्रकोष्ठ की पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष प्रमिला रावत ने कहा कि यदि कांग्रेस पार्षद मीना बिष्ट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही नहीं हुई तो उक्रांद शहीदों का अपमान नहीं सहेगा और कांग्रेस तथा नगर निगम के विरूद्ध जन आंदोलन करेगा। कांग्रेस को शीघ्र ही पार्षद मीना बिष्ट को दल से निष्कासित कर देना चाहिए अन्यथा यह क्यों ना मान लिया जाये कि कांग्रेस आन्दोलनकारियों के विरूद्ध है और मेयर को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवानी चाहिए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार महिला घायल। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन निवासी राजीव ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी अपनी स्कूटी से बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह मैगी होटल के पास पहुंची तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री आवास कूच करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास कूच करने वाले दून अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उल्लेखनीय है कि 25 अप्रैल को नियमतिकरण सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दून चिकित्सालय के आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री आवास कूच किया गया था। जिनको पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया था जिसके बाद वह वहीं पर धरने पर बैठ गये थे। पुलिस ने आठ लोगों को नामजद व 150 से 200 अज्ञात के खिलाफ सडक सरेआम जाम लगाकर बल प्रयोग करना, बिना अनुमति के रैली निकालना व लोक सेवक के साथ कार्य में बाधा डालकर चोट पहुंचाने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बेरीनाग नगर पंचायत में खुली स्वच्छ भारत अभियान की पोल

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान की पोल बेरीनाग नगर में खुलकर सामने आ गयी है हालत यह हो गये हैं नगर पंचायत के सात वार्डो में पिछले सात माह से कूड़े का ढेर लगा हुआ है जगह जगह पर लगे कूड़े के ढेर के फैली दुर्गन्ध से बिमारी भी फैलने का डर बना हुआ है वार्डो को जाने वाले पैदल मार्ग में गंदगी का अम्बार लगने के साथ ही रास्तों के दोनों और झाड़िया आने स्कूल जाने वाले छोटे छोटे बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वही सांगड,ढनौली, भट्टीगांव, बना, खितोली वार्डो के रास्ते में पिरूल गिर हुए हैं जिसमें आये दिन बुजुर्ग और बच्चे गिरकर चोटिल हो रहे हैं पूर्व में कई बार स्थानीय लोगों ने सफाई करने और रास्तों की सफाई करने की मांग कर चुके हैं उसके बाद भी नगर पंचायत कोई असर नही पड रहा है सभासद बलवंत धानिक ने बताया पिछले तीन महीने ने वार्डो में कही भी सफाई नही होने से लोगों को परेशानी हो रही है पूर्व में बोर्ड बैठक सहित नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को सफाई व्यवस्था करने और कूड़े को हटाने के लिए कई बार कहा जा चुका है लेकिन उसके बाद भी कोई कार्रवाई नही हो रही है यदि शीघ्र सफाई व्यवस्था नही की जाती है पीएम और सीएम हैल्प लाइन में इसकी शिकायत करने के साथ ही नगर पंचायत कार्यालय में आंदोलन की चेतावनी दी है।

❑पिछले तीन माह से वार्डो में नही उठा कूड़ा

फकीर राम टम्टा, स्थानीय विधायक–नगर पंचायत के द्वारा लगातार स्थानीय लोगों को परेशान करने की शिकायत सभासदों और स्थानीय लोगों के द्वारा की जा रही है पिछले दिनों बैठक कर समस्याओं का समाधान करने का आदेश अधिकारी को दिया गया था। लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नही होना बहुत गंभीर है इस संदर्भ में शहरी विकास मंत्री और सीएम से वार्ता की जायेगी। जनता को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

इधर जब इस संदर्भ नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को उनके मोबाइल में फोन कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो उन्होंने मोबाइल में घंटी जाने के बाद भी फोन नहीं उठाया।

चोरी की योजना बना रहे दो लोग खुखरी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की योजना बना रहे दो लोगों को खुखरी के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान राजकीय दून मेडिकल कालेज के पास अंधेरे में दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा तो उनको आवाज लगायी। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो खुखरी बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नााम शौकिन पुत्र भूरा निवासी ब्रहमपुरी व खालिद पुत्र आसिफ निवासी शिव मन्दिर ब्रहमपुरी बताया। उन्होंने बताया कि वह चोरी करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बेरीनाग में बंदर के हमले से पीडब्लूडी कर्मचारी घायल

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। बेरीनाग में बंदर के हमले से पीडब्लूडी कर्मचारी भगवान सिह घायल हो गया। घायल का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। मंगलवार को सुबह पीडब्लूडी कर्मचारी भगवान सिह ३७वर्षीय आफिस गेट से अन्दर आते समय अचानक एक बंदर ने उन पर हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गये। चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने बमुश्किल उन्हें बंदर के चंगुल से छुड़ाया और उपचार के लिए पीएचसी बेरीनाग ले गए। चिकित्सकों ने बताया कि बंदर ने उनके शरीर को बुरी तरह चोटिल किया है। उनके पैर में बुरी तरह काट लिया । इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों ने मुआवजा देने के साथ ही बंदरों को पकड़ने की मांग की है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला थाना पुलिस ने जौलीग्रान्ट चोर पुलिया के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल पुत्र हुकम सिंह निवासी कुडकावाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायत डीजीपी से की

संवाददता

देहरादून। छावनी बोर्ड के सिविल क्षेत्र में सडक किनारे सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध धार्मिक स्थल का निर्माण करने व फुटपाथ पर दुकानों का निर्माण करने की शिकायत कैण्ट युवा समिति ने पुलिस महानिदेशक से की तथा इसपर कार्यवाही करने की मांग की।

आज यहां कैण्ट युवा समिति के कार्यकर्ता पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार से मिले और उनको ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि छावनी बोर्ड देहरादून के सिविल क्षेत्र डाकरा चौक से गढ़ी चौक तक कई जगह सड़क के किनारे सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध धार्मिक स्थल का निर्माण कर सरकारी सम्पत्ति पर जबरन कब्जा किया हुआ है व कई जगह फुटपाथ पर ही अवैध दुकानों, स्थाई खोखो का निर्माण किया गया है तथा अवैध रूप से सब्जी मण्डी का संचालन भी किया जा रहा है जो कि सड़क एंव फुटपाथ पर भी संचालित हो रही है, जिसके कारण छावनी बोर्ड देहरादून द्वारा लाखों रूपये खर्च कर आम जनता के लिए बनाए गए फुटपाथ सहित मुख्य सड़क पर भी अवैध रूप से कब्जा हो गया है, व आम नागरिक उक्त फुटपाथ एंव मुख्य सड़क का प्रयोग नही कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग के किनारे ही सैकड़ों की संख्या मे ं ठेलियों का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है, जिसके कारण सार्वजनिक मार्ग के दोनों ओर खरीदार व्यक्तियों के वाहन, कार आदि पार्क होने से हमेशा ही जाम की स्थिति बनी रहती है व आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। जिस कारण उपरोक्त अतिक्रमण को हटाया जाना जनहित में अतिआवश्यक है,परन्तु बार-बार निवेदन करने एंव उच्चतम न्यायालय के सड़क व सरकारी सम्पत्ति से धार्मिक स्थल व अतिक्रमण हटाने के स्पष्ट आदेश एंव उच्च न्यायालय नैनिताल के अतिक्रमण हटाने सम्बन्धित आदेश की प्रतिलिपि सहित निवेदन करने के बाद भी छावनी बोर्ड देहरादून सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी जानबूझकर कोई कार्यवाही नही कर रहे है। उन्होंने मांग की है कि उक्त अवैध धार्मिक स्थल को दूसरी जगह स्थानान्तरित करने व अवैध ठेलियों व खोखों को हटाने के आदेश कर जनता को इससे राहत पहुंचायी जाये। ज्ञापन देने वालो में कृष्ण कुमार कश्यप, शैलेन्द्र गुरूंग व अन्य लोग मौजूद थे।

इन टिप्स की मदद से रख पाएंगे तांत की साड़ियों को नए जैसा

अगर आपको तांत की साड़ियां पसंद है और आपके पास बहुत सारी तांत की साड़ियां है तो आपको इनके रखरखाव के बारे में पता होना चाहिए। तांत की साड़ियां जहां दिखने में बहुत खूबसूरत लगती है, वहीं इन्हें संभालकर रखना बेहद ही कठिन काम होता है। अगर इन साड़ियों को सही ढंग से नहीं रखा जाए तो ये खराब हो जाती है और दोबारा पहनने लायक नहीं रहती। खूबसूरत और मंहगी इन साड़ियों को यूं खराब होने से बचाने के लिए आपको इन साड़ियों को संभालकर रखने से जुड़े टिप्स पता होने चाहिए।इसिलिए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताने जा रहे है जो आपकी फेवरेट साड़ी को सालों साल तक नए जैसा बनाए रखने मददगार होंगे।

-आप कुछ तांत की साड़ी को घर में धो सकती हैं लेकिन आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। अगर साड़ी को पहली बार धो रही हैं तो इसे सिर्फ पानी में धोएं इससे इसका रंग नहीं निकलेगा। वहीं, दुसरी बार धोते हुए इसे तीन भागों में धोएं, मतलब पल्लू, बॉर्डर और साड़ी के बाकी हिस्सों को अलग-अलग धोना होगा। जब भी साड़ी घर पर धोएं तो साफ्ट वाशिंग पाउडर का इस्तेमाल करें।

- सभी तरह की तांत की साड़ियों को घर पर नहीं धोया जा सकता। तांत की साड़ी पर अगर कोई रंग लग जाए तो इसे घर पर धोने की गलती ना करें, नहीं तो दाग रह जाएगा। इस साड़ी को ड्राइक्लीन के लिए दें।

- तांत की साड़ी पर फोल्ड के निशान जल्दी बनते हैं, इसलिए हर दूसरे महीने में साड़ी को वार्डरोब से निकालकर उन्हें उलट-पलटकर रीफोल्ड करके दोबारा से रखें। ताकि साड़ी में पड़े फोल्ड के निशान दिखाई न दें। तांत की साड़ियों को हमेशा बाकी साड़ियों से अलग रखें।

-बारिश के मौसम में साड़ी से नमी की गंध ना आए इसके लिए साड़ियों को कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर थोड़ी देर के लिए धूप जरूर दिखाएं।

- तांत की साड़ियों में अगर दाग लग जाए तो उसे हटाने के लिए नींबू या पेट्रोल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

- तांत की साड़ियों को पेपर में लपेटकर या अलमारी में हैंग करके भी रखें सकती हैं।

- अगर घर पर साड़ी को आयरन कर रही हैं तो इसके नीचे कॉटन कपड़ा जरूर रखें। आइसक्रीम, जूस, चाय या कॉफी के दाग हटाने के लिए माइल्ड डिटर्जेंट को कॉटन में लेकर हल्के हाथ से दाग पर मलें, ऐसा करने से दाग आसानी से हट जाएंगे। (आरएनएस)

जरुरी कागजों के रखरखाव के लिए आजमाए ये आसान तरीके, काम होगा आसान

हम सभी के घर में कुछ जरूरी कागजात होते ही हैं, जिन्हें हम फाइलों में रखते हैं। बच्चे की मार्कशीट से लेकर बिजली का बिल और पहचान के अन्य जरूरी कागजात व उनकी फोटोकॉपी को लोग फाइलों में संभालकर रखते हैं। इतना ही नहीं, पिछले कुछ वक्त से जब वर्क फ्रॉम होम का चलन काफी बढ़ा है तो घरों में इन फाइलों की संख्या भी बढ़ी है। ऑफिस के प्रोजेक्ट्स की फाइलों को भी लोग घर पर ही रख रहे हैं। हालांकि काफी सारी फाइलें हो जाने के बाद उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज करना काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर घर में फाइलें सही तरह से आर्गेनाइज करके रखी जाती हैं, तो इससे घर भी बिखरा-बिखरा नजर नहीं आता और समय पर ढूंढने में भी आसानी होती है । तो चलिए जानते हैं कि घर में फाइलों को आर्गेनाइज करने के लिए आप किन तरीकों का सहारा ले सकती हैं-

बनाएं अलग कैबिनेट

अगर आपके पास काफी अधिक फाइलें हैं तो बेहतर होगा कि आप उन्हें टेबल पर रखने की जगह एक अलग कैबिनेट बनाएं और उसमें ही अपनी सभी जरूरी फाइलें रखें। इस तरह जब आपको कभी भी उन फाइलों की जरूरत होगी तो आप आसानी से कैबिनेट से निकाल पाएंगी।

करें लेबलिंग

अगर आपके पास फाइलों का भंडार है और आप उसे एक कैबिनेट में रखने की सोच रही हैं तो हर बार आपको अपनी जरूरी फाइल निकालने के लिए कुछ वक्त तो बर्बाद करना ही पड़ेगा। इस स्थिति से बचने और घर में फाइलों को बेहतर तरीके से आर्गेनाइज करने का सबसे अच्छा तरीका है लेबलिंग करना। इसके लिए आप फाइल के उपर कुछ तरह से लेबलिंग करें कि जब भी आप कैबिनेट खोलें, आपको दूर से ही समझ आ जाए कि कौन सी फाइल में कौन से डॉक्यूमेंट रखे हैं।

कलर कोड सिस्टम

अगर आप अपने घर में फाइलों का ढेर इकट्ठा नहीं करना चाहतीं और आपके इतने डॉक्यूमेंट भी नहीं है कि आपको कई सारी फाइलों की जरूरत पड़े, तो ऐसे में आप अपनी जरूरत के अनुसार तीन-चार अलग-अलग कलर की बड़ी फाइलें लें और कलर के आधार पर आप एक फाइल में घर के जरूरी कागजात, दूसरे में ऑफिस के डॉक्यूमेंट और तीसरे में पर्सनल आईडेंटिटी से जुड़े कागज रखें।

डेस्क आर्गेनाइजर का सहारा

कई बार कुछ डॉक्यूमेंट की जरूरत बार-बार पड़ती है, ऐसे में उठकर कैबिनेट से फाइल निकालना काफी इरिटेटिंग लगता है। ऐसे में अक्सर कागज को टेबल के कपड़े के नीचे या फिर साइड ड्राअर में रख देते हैं, जिससे उनके खोने का खतरा रहता है। इस स्थिति से बचने का एक तरीका है डेस्क आर्गेनाइजर। बेहतर होगा कि आप डेस्क पर एक डेस्क आर्गेनाइजर रखें और जरूरी कागजों को उसमें रखें।(आरएनएस)

तनाव से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं ये ब्रीथिंग एक्सरसाइज

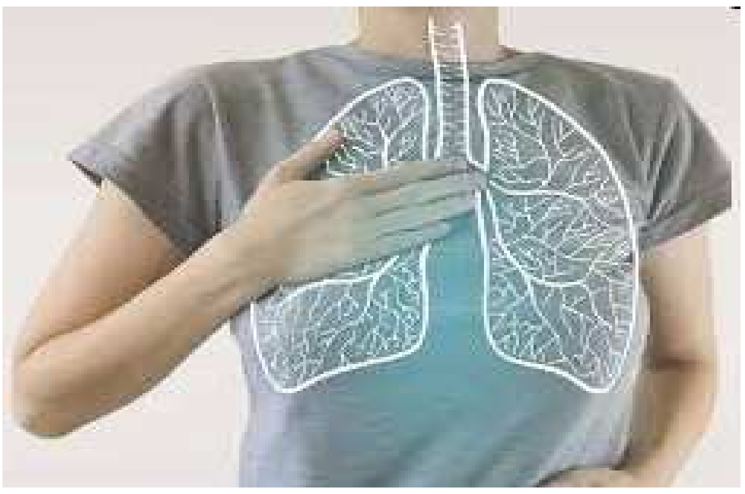

आजकल हर कोई तनाव में ही अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। काम का बहुत अधिक दबाव या काम में असफलता, मॉडर्न गैजेट्स का अधिक इस्तेमाल और गलत दिनचर्या आदि कई कारण हैं, जो व्यक्ति को तनाव से घेर सकते हैं। हालांकि, अगर आप नहीं चाहते हैं कि यह मानसिक समस्या आप पर हावी हो तो इससे राहत दिलाने में कुछ ब्रीथिंग एक्सरसाइज आपकी मदद कर सकती हैं। आइए उन ब्रीथिंग एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं।

डीप ब्रीथिंग एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले किसी कुर्सी या जमीन पर दीवार के सहारे टेक लगाकर एकदम सीधे बैठ जाएं। अब अपनी आंखें बंद करके लगभग एक मिनट के लिए अपनी नाक के माध्यम से सामान्य रूप से सांस लें और मुंह से छोड़ें। इस दौरान अपना ध्यान अपनी सांस पर रखें। अगर आप 5-10 मिनट तक रोजाना इसी तरह से एक्सरसाइज करते रहेंगे तो इससे ऑक्सीजन स्तर सुधरेगा और तनाव से भी छुटकारा मिलेगा।

लायंस ब्रीथ एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठकर अपने घुटनों को खोल लें, फिर अपने दोनों हाथों को अपने घुटनों के ऊपर रखें। इसके बाद चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हुए जीभ को बाहर निकालें और मुंह खोलकर शेर की तरह दहाड़ लगाएं। कुछ मिनट तक ऐसा करने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। लाभ के लिए तीन से पांच बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

शीतली ब्रीथ एक्सरसाइज

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर किसी आरामदायक स्थिति में बैठें और आंखें बंद कर लें। अब अपने हाथों को घुटनों पर रखकर अपनी जीभ से नली का आकार बना लें। दोनों किनारों से जीभ को मोड़कर नली का आकार बनाएं, फिर इसी स्थिति में लंबी और गहरी सांस लेकर जीभ को अंदर करके मुंह को बंद कर लें। इसके बाद अपनी नाक से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। इस प्रक्रिया को कम से कम 20-25 बार दोहराएं।

डायाफ्रामिक ब्रीथिंग

इस एक्सरसाइज के लिए किसी समतल और शांत जगह पर सीधे बैठ जाएं या फिर पीठ के बल लेट जाएं। अब अपना एक हाथ सीने पर और दूसरा पेट पर रखें। इसके बाद नाक से सामान्य तरीके से ऐसे सांस लें कि पेट ज्यादा से ज्यादा अंदर की ओर सिकुड़े और फिर धीरे-धीरे नाक से सांस छोड़ें। इस एक्सरसाइज को एक से दो मिनट दोहराने के बाद सामान्य हो जाएं।

आपको स्टाइलिश बनाने वाला पर्स कहीं आपको शर्मिंदा ना कर दे

जिस तरह से कपड़ो की सफाई करना जरूरी होता है उसी तरह से पर्स की सफाई करना भी जरूरी है। नही धोने पर उसमे से बदबू आने लग जाती है। पर्स में हम हमारी जरूरत का सामान रखते है और इसके निरंतर उपयोग करने से इसमें से बदबू आने लगती है और साथ ही इसकी चमक भी खोने लगती है।

पर्स को धोने के कुछ तरीके ऐसे होते है जिनकी वजह से आप उसमे से आने वाली बदबू को दूर कर सकती है। आज हम आपको इन्ही तरीको के बारे में बतायेंगे, तो आइये जानते है इस बारे में........

* अपने पर्स या बैग से पूरा सामान निकाल लें और अगर वह फैबरिक का बना हुआ है तो उसे किसी हल्के साबुन वाले घोल से धोलें। उसे धूप की बजाए शेड में सुखाएं जिससे वह खराब न हो।

* अगर बैग कपड़े का नहीं बना है तो आप उसे वैक्यूम क्लीनर से साफ करके बाहर सूरज में सुखा सकते हैं। बैगके अंदर की छोटी छोटी पॉकेट को साफ करना बिल्कुल भी न भूलें। अगर बैग लेदर का है तो उसे सूती कपड़े से ही साफ कर लें। पर अगर बैग सिल्क या वेल्वेट का बना हुआ है तो उसे ड्रायक्लीनर को ही दें।

* बैग में से छोटे-छोटे टुकड़ों को साफ करने के लिए टूथब्रश का इस्तेमाल करें। बैग में कभी भी पैसों को सीधे ना डालें वरना आपके बैग की लाइनिंग खराब हो सकती है और बैग अंदर से फट सकता है। पैसे को हमेशा छोटे पर्स में अलग से रखें।

* हमेशा ही आयताकार पर्स खरीदें जिससे जरुरत के रुपये और पैसे सामने ही दिख जाएं और उन्हें ढूंडने की जरुरत न पडे।

* अगर पर्स में बदबू आने लगे तो पर्स के किसी ऐसे कोने में एक चदंन और लेवेंडर पाउडर का सील बंद पैकेट रखें जो आप इस्तेमाल न करती हों।

शब्द सामर्थ्य -108

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक107 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

सन ऑफ सरदार 2 बनाएंगे अजय देवगन, जल्द शुरु होगी शूटिंग

साल 2012 में बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। साल 2019 में खबर आई थी कि फिल्म के डायरेक्टर अश्निनी धीर इसका दूसरा पार्ट सन ऑफ सरदार 2 बनाने पर काम कर रहे हैं। लेकिन कोरोना महामारी के कारण ऐसा नहीं हो पाया है। लेकिन अब खबर आ रही है कि फिल्म के दूसरे पार्ट पर जल्द काम शुरू होने वाला है। अजय देवगन ने फिल्म के दूसरे पार्ट के लिए आगे बढ़ने का फैसला किया है। फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो रहा है। अजय देवगन ने फिल्म को लेकर सोचना शुरू कर दिया है। फिल्म सन ऑफ सरदार को लिखने वाले मशहूर राइटर रॉबिन भट्ट ने कन्फर्म किया है, हम फिल्म सन ऑफ सरदार 2 पर काम कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अजय देवगन जल्द ही फिल्म रनवे 34 में अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आएंगे। ये फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा अजय देवगन फिल्म मैदान, फिल्म थैंक गॉड, फिल्म भोला और फिल्म दृश्यम 2 में काम करते दिखाई देंगे। वह फिल्म सर्कस में कैमियो करते नजर आएंगे।

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा ने फ्लॉन्ट किया टोन्ड फिगर

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। उनकी एक-एक पोस्ट पर लाखों लाइक्स मिलते हैं। ऐसे में एक बार फिर भोजपुरी एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ हॉट फोटोज शेयर करके फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ा दी है। लेटेस्ट फोटोज में श्वेता अपना टोन्ड फिगर भी फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

रिवीलिंग ब्रा-बेज पैंट में श्वेता शर्मा हुस्न का जलवा बिखेरती दिख रही हैं। ब्रा-पैंट के साथ श्वेता ने लाइट मेकअप किया हुआ है। इसके अलावा गले में पतला सा लेयर्ड नेकपीस पहना हुआ है। अपने लुक को सुपर ग्लैमरस बनाने के लिये श्वेता ने अपने हेयर को खुला छोड़ा हुआ है। श्वेता शर्मा ने सिजलिंग फोटोज शेयर करके हर किसी का दिन बना दिया है। फोटोज शेयर करते हुए वो लिखती हैं, अपने माइंड पर रुल करो, वरना ये तुम पर रुल करेगा। एक्ट्रेस का सुपर-डुपर ग्लैमरस लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है और कमेंट में उनके चाहने वाले तारीफों के पुल बांधते दिख रहे हैं।

फिल्म शकुंतलम के लिए अभिनेत्री सामंथा को किया गया प्रशिक्षित

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी आगामी फिल्म शकुंतलम की शुरुआत से कुछ महीने पहले फिल्म में शकुंतला की भूमिका निभाने के लिए ट्रेनिंग ली है। कहा जाता है कि अभिनेता गुणशेखर द्वारा फिल्म में शकुंतला की भूमिका में फिट होने के लिए उन्हें तीन महीने तक प्रशिक्षित किया गया है। गुणशेखर की फिल्म शकुंतलम का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। निर्माता साल के अंत तक फिल्म को रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। शकुंतलम को निर्देशक गुणशेखर का ड्रीम प्रोजेक्ट कहा जा रहा है, जो महाभारत में आदि पर्व से प्रेरित है और कालिदास के अभिज्ञान शकुंतलम पर आधारित है। फिल्म में, सामंथा ने शकुंतला की भूमिका निभाई है और देव मोहन ने राजा दुष्यंत की भूमिका निभाई है, जबकि अभिनेता कबीर सिंह एक असुर की भूमिका में नजर आएंगे। पुष्पा अभिनेता अल्लू अर्जुन की सबसे छोटी बेटी अल्लू अरहा शकुंतलम में राजकुमार भरत के रूप में नजर आएंगी।

पवन कल्याण, राजामौली के फिल्म आचार्य के प्री-रिलीज इवेंट में शामिल होने की उम्मीद

दक्षिण के सुपरस्टार पवन कल्याण और एस एस राजामौली अभिनेता चिरंजीवी और राम चरण की फिल्म आचार्य की रिलीज से पहले आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। आचार्य का प्री-रिलीज इवेंट 23 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। राम चरण, चिरंजीवी और पवन कल्याण को मंच पर एक साथ देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित नजर आ रहे हैं। कोराताला शिव द्वारा निर्देशित आचार्य में चिरंजीवी और राम चरण एक मिशन पर काम करते हुए नजर आएंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हुमा कुरैशी बायोपिक में निभाएंगी तरला दलाल की भूमिका

अभिनेत्री हुमा कुरैशी पीयूष गुप्ता द्वारा निर्देशित आगामी बायोपिक तरला में भारत की पहली होम शेफ तरला दलाल की भूमिका निभाएंगी।

हुमा कहती हैं कि तरला दलाल मुझे अपने बचपन की याद दिलाती है। मेरी माँ के पास रसोई में उनकी किताब की एक कॉपी थी और वह अक्सर मेरे स्कूल के टिफिन के लिए उनके द्वारा बताए गए कई व्यंजनों को बनाती थीं।

मुझे वह समय भी स्पष्ट रूप से याद है जब मैंने माँ को तरला दलाला की रेसपी घर का बना मैंगो आइसक्रीम बनाने में मदद की थी। इस भूमिका ने मेरी बचपन की उन मीठी यादों को ताजा कर दिया है। मैं रॉनी, अश्विनी और नितेश की बहुत आभारी हूं कि मुझ पर इस विस्मय को निभाने के लिए विश्वास किया।

फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला, अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी ने मिलकर किया है।

दिवंगत शेफ तरला दलाल के जीवन पर एक फिल्म बनाने के उनके फैसले के बारे में बात करते हुए, निर्माता अश्विनी अय्यर तिवारी ने कहा कि तरला की कहानी एक प्रतिष्ठित शेफ होने की तुलना में बहुत अधिक है। यह एक कामकाजी माँ की कहानी है जिसने अकेले ही चीजें बदल दी। भारत में शाकाहारी खाना पकाने और ऐसे कई घरेलू रसोइयों और स्टार्टअप के लिए अपने सपनों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त किया।

रोनी स्क्रूवाला ने साझा किया कि तरला दलाल ने भारत में घरेलू खाना को एक नया रूप दिया। उनकी कहानी की किताब में एक अदाहरण दिया गया है कि आपनी महत्वाकांक्षाओं की दिशा में काम करने में कभी देरी नहीं करनी चाहिए।

अपने अनुभव को जोड़ते हुए, नितेश तिवारी कहते हैं कि हर महाकाव्य व्यक्तित्व पर कई बायोपिक्स से भरी दुनिया में, तरला दलाल पर एक बायोपिक लंबे समय से प्रतीक्षित थी। उनकी कहानी के माध्यम से, हम ऐसे कई युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं जो अपने अपने घरों से व्यापार शुरु करना चाहते हैं।

तरला दलाल एक भारतीय खाद्य लेखक, शेफ, कुकबुक लेखक और कुकिंग शो के मेजबान थे। वह पहली भारतीय थीं जिन्हें 2007 में पाक कौशल श्रेणी में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह पहली बार है जब बॉलीवुड स्क्रीन पर एक शेफ की जीवन कहानी का चित्रण करेगा।

दंगल, छिछोरे जैसी फिल्मों के लेखक रह चुके पीयूष गुप्ता तरला दलाल के जीवन को पर्दे पर दिखाने का मौका पाकर बेहद खुश हैं।

उन्होंने आगे कहा, खुद एक खाने का शौकीन होने के नाते, इस फिल्म को सभी खाद्य प्रेमियों के लिए एक ट्रीट बनाने का इरादा है

पीयूष गुप्ता और गौतम वेद द्वारा लिखित, आरएसवीपी द्वारा निर्मित, और अर्थ स्काई, तरला सभी को भोजन के भ्रमण पर ले जाने के लिए, तैयार है।

कश्मीर फाइल्स के बाद अब दिल्ली फाइल्स बना रहे विवेक अग्निहोत्री

हाल ही में द कश्मीर फाइल्स फिल्म रिलीज़ हुई थी। दर्शकों ने इस फिल्म को खूब प्यार दिया है। फिल्म को निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने ही बनाया है। ऐसे में विवेक की भी हर जगह तारीफ हो रही है। फिल बहुत ही कम बजट में बनी है लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की है। फिल्म ने कश्मीरी पंडितों पर हुए जुल्म को दिखाया गया है।

फिल्म अब एक आंदोलन का रूप भी ले चुकी है। इस फिल्म को कई दिग्गजों ने भी सपोर्ट किया है। वहीं अब विवेक अपनी नई फिल्म पर भी काम करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अब कश्मीर फाइल्स के बाद विवेक दिल्ली फाइल्स बनाने जा रहे हैं जिस पर वे जल्द ही काम भी शुरू करने वाले हैं। ये फिल्म भी बेहद खास होने वाली है। दर्शकों को भी अब इस फिल्म का इंतज़ार हो रहा है।

अब द कश्मीर फाइल्स फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज़ किया जाने वाला है। ऐसे में अब लोग घर बैठे ही इस फिल्म को देख सकेंगे। लेकिन अब विवेक एक दूसरी फिल्म पर भी काम करने वाले हैं जिसका नाम दिल्ली फाइल्स होने वाला है।

हाल ही में विवेक ने अपनी नई फिल्म के बारे में बताया है। विवेक ने ही 15 अप्रैल को इस बारे में बताया है कि वे अब दिल्ली फाइल्स बनाने जा रहे हैं। ये फिल्म 1984 पर आधारित होने वाली है। विवेक भी 1984 को भारत के इतिहास में काला अध्याय मानते हैं। उनके मुताबिक इस फिल्म में तमिलनाडु के सच को भी दिखाया जाएगा।

विवेक के मुताबिक पंजाब में आतंकवाद की स्थिति को समेटना अमानवीय था। विवेक का कहना है कि यदि इतिहास के बारे में लोगों को बताया जाए तो वे इसके लिए कदम उठाएंगे और न्याय की मांग भी करेंगे। वहीं उन्होंने ये भी साफ कर दिया है कि ये फिल्म दिल्ली के बारे में नहीं बल्कि दिल्ली इतने समय से कैसे भारत को तबाह कर रही है इस पर होने वाली है। जल्द ही अब विवेक इस फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं।

कृति सैनन अभिनीत मीना कुमारी की बायोपिक को निर्देशित करेंगे हंसल मेहता

दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी की बायोपिक बनाने पर काम जोर-शोर से चल रहा है। इसे बॉलीवुड का बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट माना जा रहा है। हाल में खबर आई थी कि अभिनेत्री कृति सैनन इस फिल्म में मुख्य किरदार निभाएंगी। पिछले कुछ समय से इस फिल्म के लिए निर्देशक की तलाश चल रही थी। अब लगता है जैसे मेकर्स की तलाश पूरी हो गई। खबर है कि इस बायोपिक को चर्चित निर्देशक हंसल मेहता निर्देशित करेंगे।

रिपोर्ट की मानें तो मीना की बायोपिक को निर्देशित करने के लिए हंसल को चुना गया है। एक सूत्र ने बताया, हंसल ने शाहिद, अलीगढ़, ओमेर्ता और छलांग जैसी पसंद की जाने वाली फिल्में बनाई हैं और निर्माताओं को लगता है कि वह मीना की बायोपिक का निर्देशन करने के लिए सही शख्स हैं। हंसल के हाथ में निर्देशन की कमान आने के बाद फैंस का उत्साह निश्चित तौर पर बढ़ेगा।

मीना कुमारी के जीवन पर बनने वाली एक वेब सीरीज की भी घोषणा हो चुकी है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। यह प्रोजेक्ट कमाल अमरोही के साथ मीना की प्रेम कहानी पर केंद्रित है। इन दोनों की प्रेम कहानी के किस्से बहुत खास थे। कमाल को पहली ही नजर में मीना से प्यार हो गया था। वह उनके दीवाने हो गए थे। खैर जो भी हो, मीना को लंबे समय तक कमाल का प्यार नहीं मिल पाया।

मीना के करियर की बात करें तो साहिब बीवी और गुलाम, पाकीजा, मेरे अपने, बैजू बावरा, दिल अपना और प्रीत पराई, दिल एक मंदिर और काजल जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए उन्हें जाना जाता है। मीना ने 31 मार्च, 1972 को हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह सिर्फ 39 साल की थीं, जब उनका निधन हुआ। हालांकि, उन्हें उनके चाहने वाले आज भी याद करते हैं।

हंसल के निर्देशन में बन रही कई फिल्में रिलीज की राह देख रही हैं। वह कार्तिक आर्यन की फिल्म कैप्टन इंडिया को डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। वह फिल्म स्वागत है को लेकर भी सुर्खियों में हैं, जिसमें राजकुमार राव मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वह डेढ़ बीघा जमीन को लेकर चर्चा में हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शैलेश आर सिंह और हंसल मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे।

पिछले साल ही कृति ने अपने दम पर मिमी को सफलता दिलाई थी। वह शहजादा, आदिपुरुष और गणपत जैसी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म भेड़िया भी कृति के खाते से जुड़ी है।

कोरोना से सचमुच कितने लोग मरे!

अजीत द्विवेदी

यह यक्ष प्रश्न बन गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से भारत में कितने लोगों की मौत हुई? बुधवार 20 अप्रैल की सुबह तक भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक पांच लाख 22 हजार छह लोगों की मौत कोरोना वायरस के संक्रमण से हुई है। मरने वालों की संख्या के लिहाज से अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत दूसरे स्थान पर है और दुनिया भर में हुई 62 लाख 28 हजार से ज्यादा मौतों में भारत का हिस्सा 12 फीसदी है। लेकिन क्या सचमुच भारत में दो साल की महामारी में इतने ही लोग मरे? यह सवाल इसलिए है क्योंकि दुनिया इस आंकड़े को नहीं मान रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर दुनिया की तमाम वैज्ञानिक संस्थाएं, जर्नल्स, अखबार, पत्रिकाएं, गैर सरकारी संस्थाएं इस आंकड़े को स्वीकार नहीं कर रही हैं। उनका आकलन है कि भारत में जो संख्या बताई जा रही है उससे आठ गुना ज्यादा यानी करीब 40 लाख मौतें हुई हैं।

अब सवाल है कि दुनिया कैसे इस निष्कर्ष पर पहुंची और सचाई कैसे सामने आएगी? इसके लिए सबसे पहले मौतों का आकलन करने के वैश्विक मॉडल और भारत सरकार के मॉडल के फर्क को समझना होगा। ध्यान रहे भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लुएचओ और दूसरी विश्व संस्थाओं के मॉडल में कमी निकाली है। लेकिन वह एक सरकारी नजरिया है, जिस पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार करने की जरूरत है। डब्लुएचओ या दूसरी वैश्विक संस्थाओं का मॉडल बहुत सरल है। उन्होंने हर साल होने वाली मौतों का औसत आंकड़ा लिया और कोरोना महामारी की अवधि में हुई मौतों की संख्या के आंकड़े को उसके बरक्स रखा। मौत के सालाना औसत आंकड़े से ज्यादा जितनी भी मौतें कोरोना काल में हुई हैं, उनको कोरोना से हुई मौत माना गया। इसके उलट सरकार सिर्फ उन्हीं मौतों को कोरोना से हुई मौत मान रही है, जिनमें मौत का कारण कोविड-19 का संक्रमण दर्ज किया गया है।

भारत सरकार कह रही है कि डब्लुएचओ का मॉडल गड़बड़ है लेकिन असल में सरकार के मॉडल में कमी है। सरकार मृत्यु प्रमाणपत्र में दर्ज कारण के आधार पर गिनती कर रही है। लेकिन सबको पता है कि भारत में शहरी इलाकों में ही मृत्यु का पंजीयन होता है या मृत्यु प्रमाणपत्र बनाया जाता है। छोटे शहरों और कस्बों में भी ऐसा नहीं होता है। ऊपर से कोरोना महामारी में जितने लोग अस्पताल में इलाज के लिए गए उससे कई गुना ज्यादा लोग अस्पताल नहीं जा सके और घरों में दम तोड़ दिया। गांवों में इस तरह की अनगिनत मौतें हुईं। गंगा किनारे शव दफनाए जाने या गंगा नदी में शव बहाए जाने की तस्वीरें और वीडियो सारी दुनिया ने देखे। क्या ये सारी मौतें सरकार के खाते में दर्ज हुई हैं? देसी और विदेशी दोनों मीडिया ने श्मशानों के बाहर शवों की कतार दिखाई और चिता जलाए जाने के लिए 24 घंटे या उससे भी ज्यादा के इंतजार की खबरें दीं। गैर सरकारी संस्थाओं ने हजारों शवों के अंतिम संस्कार कराए। शहरों के श्मशानों में जगह कम पड़ गई तो शहर से दूर छोटे कस्बों में जाकर लोगों को अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करना पड़ा। इस तरह की घटनाओं और इनकी मीडिया कवरेज का इशारा भी इस तरफ है कि असली संख्या वह नहीं है, जो सरकार बता रही है।

अनेक लोगों की मौत कोरोना का संक्रमण ठीक होने के कई महीने बाद हुई। लांग कोविड की वजह से अभी तक लोग मर रहे हैं। अनेक लोगों में कोरोना संक्रमित होने के लक्षण नहीं दिखे और मौत हो गई। अनेक लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं जा सके और उनकी मृत्यु हो गई। अनेक लोग दूसरी बीमारियों से ग्रसित थे, जिन्हें कोरोना महामारी की वजह से अस्पतालों में जगह नहीं मिली, इलाज नहीं मिल सका और वे मर गए। क्या ऐसी सारी मौतें कोरोना के खाते में नहीं लिखी जानी चाहिए?

ध्यान रहे किसी एक संस्था ने यह निष्कर्ष नहीं निकाला है कि भारत में 30 या 40 लाख या उससे भी ज्यादा मौतें हुई हैं। अलग अलग संस्थाओं ने अलग अलग तरीकों का इस्तेमाल करके अपने अपने निष्कर्ष निकाले हैं और हैरानी की बात है हर निष्कर्ष यहीं बताता है कि भारत में जितनी मौतें बताई जा रही हैं, असल में उससे छह से आठ गुना ज्यादा मौतें हुई हैं। सबसे पहले दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका 'साइंस' ने जनवरी में बताया कि भारत में कोरोना की वजह से 30 लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं। इसके बाद दूसरी प्रतिष्ठित पत्रिका 'लैंसेट' ने बताया कि भारत में 40 लाख या उससे ज्यादा मौतें हुई हैं। इसके मुताबिक दुनिया भर में जो 'एक्सेस डेथ' हुई है यानी हर साल होने वाली औसत मौतों से ज्यादा जो मौतें हुई हैं उनमें से एक चौथाई मौत सिर्फ भारत में हुई है। इसके मुताबिक अमेरिका, ब्राजील, मेक्सिको और रूस में जितनी 'एक्सेस डेथ' हुई है, उससे ज्यादा अकेले भारत में हुई है। भारत के आंकड़ों को लेकर यह भी निष्कर्ष है कि भारत ने वास्तविक संख्या से आठ गुना कम संख्या बताई है, जबकि वैश्विक औसत तीन गुने का है। यानी दुनिया में जितनी संख्या बताई गई है, उससे तीन गुना ज्यादा मौत हुई है, जबकि भारत के आंकड़ों से आठ गुना ज्यादा मौतें भारत में हुई हैं।

भारत में इन दिनों यह चलन हो गया है कि विश्व संस्थाओं का जो आंकड़ा अपने अनुकूल नहीं होता है उसे खारिज कर दिया जाता है और जिसमें सरकार की तारीफ होती है उसकी वाह-वाही की जाती है। इसी चलन के मुताबिक 'साइंस', 'लैंसेट' और डब्लुएचओ के आंकड़ों पर सवाल उठाया जा रहा है। सवाल है कि क्या सारी दुनिया की बौद्धिक जमात और विश्व संस्थाएं मिल कर भारत के खिलाफ साजिश कर रही हैं, जो उसके आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बता रही हैं? एक तरफ सरकार के लोग बताते हैं कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और अब भारत की बात गंभीरता से सुनी जाती है और दूसरी ओर कह रहे हैं कि सारी दुनिया भारत के खिलाफ साजिश कर रही है? दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकती हैं। असल में यह कोई साजिश नहीं है, बल्कि यह हकीकत है, जो भारत में भी कुछ अखबारों, पत्रिकाओं, गैर सरकारी संस्थाओं आदि के आकलन से जाहिर हो चुकी है। इसलिए भारत को सचाई स्वीकार करके ज्यादा से ज्यादा पीड़ित परिवारों को राहत मुहैया करानी चाहिए और ऐसी पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे आंकड़ों की विश्वसनीयता संदिग्ध न हो।

केजीएफ के निर्देशक ने फ्रेंचाइजी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का श्रेय यश को दिया

निर्देशक प्रशांत नील ने केजीएफ फ्रेंचाइजी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए सुपरस्टार यश की तारीफ की है। उनका कहना है कि यश एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिसके पास फिल्म की सफलता को देखने की दृष्टि है, वह ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने रॉकी के अपने किरदार के कारण फैंडिक्स प्राप्त किया है।

निर्देशक प्रशांत नील ने उल्लेख किया कि केजीएफ ने आठ साल की लंबी यात्रा थी, जिसने उन्हें आत्मविश्वास दिया और इस कारण उन्हें फिल्म को दूसरे स्तर पर ले जाने में मदद मिली।

फिल्म निर्माता ने यह भी कहा, जब हमने शुरुआत की तो हमने कभी नहीं सोचा था कि हम आज जहां हैं, वहां होंगे।

यश को श्रेय देते हुए नील ने अपना आभार व्यक्त किया और कहा, यह दृष्टि रखने वाले एकमात्र व्यक्ति यश थे। हमने इसे एक छोटे कन्नड़ प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया था और आज फिल्म वास्तव में बड़ी है और उम्मीदें बहुत अधिक हैं।

वह यश को एक बड़ी कन्नड़ मूल की फिल्म को दो भागों में बनाने और इसे दुनिया के सामने ले जाने का श्रेय भी देते हैं। यश ने अपने संवाद भी लिखे, क्योंकि वह रॉकी में विश्वास करते थे और उनके माध्यम से देख सकते थे।

सू- दोकू क्र. 108

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.107 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

हंसिका ने वेब सीरीज माई 3 की शूटिंग पूरी की

हंसिका मोटवानी ने अपनी पहली वेब सीरीज माई 3 के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग के आखिरी दिन अपनी यूनिट में सभी को मिठाई बांटने वाली अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर श्रृंखला पर काम करने के बारे में एक पोस्ट लिखी।

उन्होंने लिखा, माई 3 में मेरे किरदार का रैप-अप हुआ। ये यात्रा यादगार थी। इतनी शानदार प्रतिभाशाली टीम को पाकर भावनात्मक रूप से खुशी हुई, जिसने मुझे हर पल सेट पर एक राजकुमारी की तरह महसूस कराया। ओरु कल ओरु कन्नड़ के बाद निर्देशक राजेश सर के साथ फिर से काम करने का मौका मिला। वह बहुत उदार हैं, उन्होंने मुझे अपने दोनों पात्रों के साथ स्वतंत्रता दी। मैं वास्तव में उनके साथ फिर से काम करने का अवसर पाकर बहुत खुश हूं। पूरी कास्ट और क्रू कमाल का रहा है। मुगेन एक अद्भुत अभिनेता हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। शांतनु, जननी, शक्ति, अभिषेक और अन्य लोग सेट पर मिलनसार रहे हैं। उनके साथ काम करना एक प्यारा अनुभव था। मेरी माँ को ढेर सारा प्यार, मुझे वह काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो मुझे हमेशा पसंद है। मैं अपनी टीम और माई 3 पर मेरी यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए सभी को धन्यवाद देती हूं। एम राजेश द्वारा निर्देशित वेब सीरीज एक अनूठी रोबोट प्रेम कहानी है और इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाना है।

भारत-पाकः बेहतर मौका है

डा .वैदिक कॉलम

पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो जवाबी खत लिखा है, उसे देखकर मुझे लगता है कि दोनों देशों के बीच पिछले तीन साल में जो संवादहीनता पनप गई थी, अब शायद वह टूट जाए। मोदी ने शाहबाज को बधाई का जो पत्र लिखा था, उसमें यही इच्छा व्यक्त की थी कि दोनों देशों के बीच ऐसे संबंध रहने चाहिए, जिनसे दक्षिण एशिया के क्षेत्र में शांति और स्थायित्व का वातावरण बने। शाहबाज ने एक कदम आगे बढ़कर कहा है कि दोनों देशों को मिलकर गरीबी और बेकारी के खिलाफ युद्ध लड़ना चाहिए।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने एक-दूसरे को बहुत ही सराहनीय बातें कही हैं लेकिन दोनों की मजबूरियां हैं। उन्हें वे व्यक्त न करें तो दोनों देशों में उनके विरोधी उनकी जान खा जाएंगे। इसीलिए शाहबाज अपने खत में कश्मीर का मुद्दा उठाए बिना नहीं रहे और नरेंद्र मोदी आतंकवाद का! इन मुद्दों ने ही भारत-पाक संबंधों में खटास पैदा कर रखी है। इमरान खान जब सत्तारुढ़ हुए थे तो उन्होंने कहा था कि भारत-पाक संबंध सुधारने के लिए यदि भारत एक कदम आगे बढ़ाएगा तो हम दो कदम आगे बढ़ाएंगे लेकिन 2019 में पुलवामा में पाकिस्तान के हवाई हमले और भारत के बालाकोट में जवाबी हमले ने जो तनाव पैदा किया था, उसे खतरे के निशान तक पहुंचाने में कश्मीर से धारा 370 की बिदाई ने सख्त भूमिका अदा की। दोनों देशों का आपसी व्यापार ठप्प हो गया और दोनों के राजदूतावासों में आजकल उच्चायुक्त भी नहीं हैं।

यह तो मैं पहले ही लिख चुका हूं कि जब-जब शरीफ बंधुओं से मेरी मुलाकात हुई, शाहबाज को हमेशा मैंने ज्यादा नरम और विनम्र पाया। इसके अलावा इनके पूज्य पिता मोहम्मद शरीफ मुझे बताया करते थे कि विभाजन के बाद वे कई वर्षों तक रोज सुबह अपने गांव जाति उमरा, जो कि अमृतसर में है, जाते थे और बस में भरकर उसके मजदूरों को ले आते थे। जैसा कि आसिफ जरदारी ने कहा था, हर पाकिस्तानी की तरह, उनके दिल में भी एक हिंदुस्तान धड़कता था। जब नरेंद्र मोदी पहली बार शपथ ले रहे थे तो प्रधानमंत्री मियां नवाज़ ने दो-तीन दिन कोई जवाब नहीं दिया तब मैंने उनके वरिष्ठ साथी सरताज अजीज को बताया कि सभी पड़ौसी देशों के प्रधानमंत्रियों को बुलाने की पेशकश मेरी ही है। उन्हें आना ही चाहिए। वे दोनों आए भी। 2014 में इस्लामाबाद में जब मियां नवाज़ से मेरी लंबी भेंट हुई तो वे यही जानना चाहते थे कि हमारे नए प्रधानमंत्री के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए क्या-क्या पहल की जाए। लेकिन अब मौका पहले से भी बढ़िया है, जबकि दोनों देशों के संबंधों में नई शुरुआत हो सकती है।

जमीन के नाम पर आईटीबीपी जवान से 14 लाख की धोखाधड़ी

देहरादून (संवाददाता)। जमीन के नाम पर आईटीबीपी जवान से 14 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अकादमी मसूरी में तैनात सिपाही बद्री सिंह राणा प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने वर्ष 2019 फरवरी माह मे पर्सनल लोन लेकर के 14 लाख 90 हजार रूपये जमीन खरीदने के लिए प्रोपर्टी डीलर रामनरेश नौटियाल को चेक के माध्यम से भुगतान किया है । उस समय सहमति बनी थी कि नीम्बस एकेडमी झाझरा में 180 गज भूमि खरीदने का अनुबन्ध पत्र भी बनाया गया था । राम नरेश नौटियाल तब से अब तक 3 साल हो गये है । ना ही जमीन दे रहा है ना ही पैसे वापिस दे रहा है । जिस कारण से वह काफी परेशान है जो कि डयूटी में बाधक हो रही है। आरोपी को पैसे के लिए बोलते है तो बोल रहा है कि अभी नही होगा जो करना है कर लो।

एसबीआई कर्मचारी बन 65 हजार रुपये ठगे

देहरादून संवाददाता)। एसबीआई क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर 65 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर निवासी भूपेन्द्र चढडा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पांच मार्च को उसके मोबाइल नम्बर पर एक नम्बर से व्हटसअप पर काल आयी जिसने अपने को एसबीआई का कर्मचारी होने का आइडेंटी कार्ड भेजकर तथा फोन से सम्पर्क किया गया कि मैं एसबीआई क्रेडिट कार्ड कार्यालय से बोल रहा हूं। आपका कार्ड नया बनाकर वार्षिक शुल्क माफ कर दिया जायेगा। जिसके लिए आपको कार्ड कन्वर्ट करने के लिए ओटीपी बताना पड़ेगा। मेरे द्वारा उक्त अज्ञात व्यक्ति को एसबीआई क्रेडिट कार्ड का कर्मचारी समझकर ओटीपी नम्बर दे दिया गया, जिससे मेरे खाते से कुल 65535 रूपये बिना मेरी जानकारी व अनुमति के निकाल लिये गये।

यौन शोषण मामले में एक पर मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। यौन शोषण करने व वीडियों वायरल करने की ध मकी देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने को मजबूर करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भूडपुर निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 25 अप्रैल समय लगभग 5 बजे सांय वह घर पर अकेली थी कि अचानक सोनू पुत्र भूरा निवासी ग्राम भुडपुर नयागाँव, थाना पटेलनगर, देहरादून, उसके घर में घुस गया तथा उसको अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती करने लगा, उसके मना करने पर साथ मार पीट शुरु कर दी तथा उसकी नग्न फोटो विडियो वायरल करने की धमकी दी, जिससे उसको काफी चौटे आई (मेडिकल संलग्न), वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागी। यह कि सोनू नामक जो कि गांव मे ही रहता है पहले भी उसको फोटो विडियो वायरल करने की धमकी देकर यौन शोषण करता रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं।

जंगलों में लगी आग बुझाने के ठोस प्रयास नहीं कर रही है राज्य सरकारः मनीष

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री और पूर्व राज्य मंत्री मनीष कुमार ने आज भाजपा की राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे प्रदेश के जंगलों में आग लगी हुई है और राज्य सरकार आग बुझाने के लिए कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है। सरकार के मंत्री अपने आप में मस्त हो रखे हैं और कई स्थानों पर जंगलों की आग लोगों के घरों तक पहुंच गई है इस अग्नि से जहां एक और लाखों करोड़ों रुपए की वन संपदा नष्ट हो रही है वहीं दूसरी ओर जंगल में रह रहे जानवरों के अस्तित्व पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

उन्होने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार पूरी तरीके से संवेदनहीन बनी हुई है जहां एक ओर इस अग्नि से एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कुछ लोग घायल हो गए हैं। कहा कि यह बहुत ही खेद और चिंता का विषय है कि अग्नि ने इतना विकराल रूप ले लिया और इसको पहले नहीं बुझाया जा सका, जिसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार अभी तक जागी नहीं है इतना बड़ा वन महकमा इतने दिनों से क्या कर रहा है अगर शीघ्र ही आग बुझाने के लिए उचित कार्यवाही सरकार द्वारा नहीं की गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर सरकार का विरोध करेंगे।

ताबड़तोड़ फायरिंग में एक की मौत, तीन गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

ऊधमसिंहनगर। बाजपुर में बीती रात करोड़ों के लेन देन को लेकर दो पक्षों में ताबड़तोड़ गोलियां चल गयी। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि तीन लोग गम्भीर घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। विवाद एक स्टोन क्रशर पर करीब डेढ़ करोड़ के लेनदेन को लेकर होना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बाजपुर के पहाड़पुर गांव निवासी कनिष्ठ प्रमुख तजिंदर सिंह उर्फ जंटू पुत्र हारकेवल सिंह का पिपलिया गांव निवासी नेत्र प्रकाश शर्मा के साथ पाल ग्रिड स्टोन क्रशर को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि करीब डेढ़ करोड़ रुपए के लेनदेन का यह मामला था। इस मामले को लेकर मंगलवार शाम नेशनल हाईवे पर स्थित एक होटल में पंचायत भी हुई, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इस दौरान चेक देने के लिए बुलाए जाने पर तजिंदर अपने साथी ग्राम बग्गी फार्म मिलकखानम रामपुर निवासी कुलवंत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, बिराहा फार्म बाजपुर निवासी हरप्रीत सिंह पुत्र निर्मल सिंह, मोहल्ला सुभाष नगर निवासी मोहित अग्रवाल पुत्र भगवान दास आदि के साथ आधी रात को नेत्र प्रकाश के आवास पर पहुंच गए।

❑डेढ़ करोड़ के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में चल रहा था विवाद

बताया जा रहा है कि जैसे ही उन्होने डोर बेल बजाई घर के अंदर से ताबड़तोड़ गोलियां बरसनी शुरू कर दी गईं। जिसमें गोली लगने से कुलवंत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कनिष्ठ प्रमुख तजिंदर सिंह, मोहित अग्रवाल, हरप्रीत सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर सभी घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उन्हे प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस मामले इस मामले की पड़ताल में जुट गयी है।

लघु व्यापारी 30 अप्रैल को रैली निकालकर पीएम को ज्ञापन भेंजेगे

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि 30 अप्रैल मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर एसोसिएशन के बैनर तले रैली निकालकर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा।

आज यहां लघु व्यापार एसोसिएशन से जुड़े हर की पौड़ी क्षेत्र के फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने हर की पौड़ी हनुमान मंदिर के समीप सार्वजनिक तौर पर बैठक की। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता महेंद्र सैनी ने किया, संचालन कुंदन सिंह ठाकुर ने किया, बैठक में मुख्य रूप से लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने शिरकत की।

बैठक में तय किया गया आगामी 30 अप्रैल को मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारी सामूहिक रूप से जनचेतना रैली निकालकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रेषित करेंगे। बैठक के माध्यम से रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने पुनः राज्य सरकार से मांग की कोरोना काल के दौरान केंद्र सरकार के निर्देशन में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को संरक्षित किए जाने की योजना व प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना स्वनिधि योजना के तहत 10- 10 हजार के लोन के रूप में दी गई कर्ज राशि को राज्य सरकार माफ करें। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हर की पौड़ी क्षेत्र के रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को शहरी संवृद्धि के तहत पूर्व के प्रस्तावित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित करें राज्य सरकार। उन्होंने यह भी कहा आगामी 30 अप्रैल को रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की शासन- प्रशासन द्वारा की जा रही उपेक्षा को लेकर जनचेतना रैली निकाल कर रेडी पटरी के लघु व्यापारी अपनी न्याय संगत मांगों को दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम को संशोधित किया जा रहा है इसके विरोध में नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के निर्देशन में 01 मई से पूरे भारतवर्ष के रेडी पटरी के संगठन अपने-अपने तरीके से अपनी मांगों के समर्थन में संघर्ष करेंगे। हर की पौड़ी हनुमान मंदिर समीप व्यापारियों की बैठक में सम्मलित हुए विजय कुमार, हरिकिशन, राजू कश्यप, बॉबी कुमार, ओमपाल सिंह, तनिक राय, गौरव मित्तल, विशाल सिंह, राजेंद्र कुमार, सुमित रावत, महावीर सिंह, मानसिंह, बबलू, टिल्लू सैनी, अनिल सैनी, अंकित कुमार, लाल सिंह, ध मर्वीर, आशु कमल, प्रमोद, सुनील साहू, विजेंद्र कुमार, माया देवी, रोशनी, पुष्पा दास आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पत्रकार अमिताभ श्रीवास्तव के कांग्रेस में शामिल होने का जोरदार स्वागतः धीरेन्द्र

देहरादून (नसं)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने देश के जाने-माने पत्रकार अमिताभ श्रीवास्तव के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का जोरदार स्वागत करते हुए कहा है कि उनके जैसे निष्पक्ष और प्रभावशाली लेखक, पत्रकार और साहित्यकार के कांग्रेस में आने से कांग्रेस को नई शक्ति मिली है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल कांग्रेस संगठन में उचित स्थान दिए जाने की मांग उठाई है और कहा है कि उन जैसे ऊर्जावान लोगों के सहयोग से ही कांग्रेस देश में सांप्रदायिक ताकतों को जड़ से उखाड़ कर खत्म कर सकेगी वही आम जनमानस की अपेक्षाओं पर खरी उतर सकेगी।

एक नजर

ताजमहल में प्रवेश करने से जगद्गुरु परमहंस आचार्य को रोका !

आगरा। अयोध्या से आगरा आए तपस्वी छावनी के जगद्गुरु परमहंस आचार्य को ताजमहल में प्रवेश नहीं मिल सका। ताजमहल में प्रवेश ना मिलने के बाद जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि उन्हें भगवा पहने होने की वजह से रोका गया। हालांकि, उनके आरोपों के बाद अफसरों की सफाई भी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि जगद्गुरु को लोहे का ब्रह्मदंड अंदर ले जाने से मना किया गया था। परमहंस आचार्य का कहना है कि वह ताजमहल में दबा शिवलिंग देखने पहुंचे थे। शाम ५.३५ बजे वो अपने शिष्यों के साथ ताजमहल में प्रवेश करने लगे तो वहां मौजूद सीआईएसएफ जवानों ने उन्हें रोक दिया। बताया जा रहा है कि परमहंसाचार्य के शिष्य के पास ताज महल में प्रवेश का टिकट था। उन्होंने सीआईएसएफ जवानों को टिकट होने की बात भी बताई। लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद उनके टिकट वहीं अन्य पर्यटकों को देकर पैसे वापस लौटा दिए गए। परमहंसाचार्य ने बताया कि भगवा पहने होने की वजह से उन्हें रोका गया।

कराची विश्वविद्यालय विस्फोट के बाद चीन की धमकी

नई दिल्ली। चीन ने बुधवार (२७ अप्रैल, २०२२) को कराची में हुए हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें उसके तीन नागरिक मारे गए और अपराधियों को दंडित करने के लिए पाकिस्तान से मांग की। चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मामलों के सहायक मंत्री वू जियानघाओ ने बेहद गंभीर चिंता व्यक्त करने के लिए चीन में पाकिस्तानी राजदूत को तत्काल फोन किया। चीन ने कहा कि चीनी लोगों का खून व्यर्थ नहीं बहाया जाना चाहिए और इस घटना के पीछे जो लोग हैं, वे निश्चित रूप से इसकी कीमत चुकाएंगे। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में चीनी विदेश मंत्रालय और चीनी राजनयिक मिशन संबंधित पाकिस्तानी विभागों से मारे गए लोगों के अनुवर्ती मामलों को ठीक से संभालने, घायलों का इलाज करने और इसमें शामिल आतंकवादी संगठन पर सख्ती से कार्रवाई करने का आग्रह करते रहेंगे। बयान में आगे कहा, उन्होंने मांग की कि पाकिस्तानी पक्ष को तुरंत घटना की गहन जांच करनी चाहिए।

भ्रष्टाचार के मामले में आंग सान सू ची दोषी करार, अदालत ने 5 साल की सजा सुनाई

नई दिल्ली । म्यांमार के हालात पिछले एक साल से चिंताजनक बने हुए हैं, जहां पर सैन्य शासन चल रहा। अब वहां की एक अदालत ने पद से हटाई गई नेता आंग सान सू ची को भ्रष्टाचार के मामले में दोषी करार दिया है। साथ ही उन्हें पांच साल की सजा सुनाई। सू ची पर आरोप था कि उन्होंने एक मामले में ६ लाख डॉलर और सोने का सामान रिश्वत के रूप में लिया। जांच के बाद उनके ऊपर लगे सभी आरोप भी सही पाए गए। मामले में म्यांमार के एक अधिकारी ने बताया कि सू ची पर भ्रष्टाचार के कुल १५ मामले दर्ज हैं। उसी में से एक केस में फैसला आया है। अगर सभी केस में वो दोषी पाई जाती हैं, तो उनको १०० साल से ज्यादा तक की सजा हो सकती है, क्योंकि हर केस में अधिकतम जेल की सजा १५ साल तक है। वहीं म्यांमार की मीडिया के मुताबिक शुक्रवार को सू ची के खिलाफ हेलीकॉप्टर खरीदने के मामले में भ्रष्टाचार के नए आरोप भी दायर किए गए। इससे पहले जनवरी में आंग सान सू ची को बिना लाइसेंस के वॉकी–टॉकी रखने समेत ३ अलग–अलग मामलों में चार साल की सजा सुनाई गई थी। उस दौरान सेना की अदालत ने सू ची द्वारा हैंजहेल्ड रेडियो रखने को आयात–निर्यात कानून का उल्लंघन माना, साथ ही उन्हें २ साल की सजा सुनाई, जबकि सिग्नल जैमर का एक सेट रखने के लिए एक साज की सजा हुई। उससे भी पहले सू ची को कोरोना काल में देश में चुनाव प्रचार करने के आरोप में २ साल की सजा सुनाई गई थी।

पुलिस प्रशासन सख्त, नहीं हो सकी महापंचायत

विशेष संवाददाता

भगवानपुर (रुड़की)। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद हरकत में आए सूबे के शासन-प्रशासन ने भगवानपुर के डाडा जलालपुर में काली सेना द्वारा बुलाई गई हिंदू महापंचायत आज नहीं हो सकी। पुलिस प्रशासन द्वारा बीते कल ही इस आयोजन पर रोक लगाने की घोषणा कर दी गई थी तथा आयोजन की तैयारियों को रुकवा दिया गया था। जिद पर अड़े आयोजकों को भी पुलिस हिरासत में ले लिया गया। बीते कल स्वामी दिनेशानंद को गिरफ्तार कर लिया गया वहीं आज हरिद्वार से भगवानपुर पहुंचे स्वामी आनंद स्वरूप को भी पुलिस ने मंदिर परिसर में ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि बीते 16 अप्रैल को डांडा जलालपुर में हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान हुई हिंसा की वारदात के दोषियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर काली सेना ने 27 अप्रैल (आज) हिंदू महा पंचायत बुलाई गई थी। लेकिन बीते कल धर्म संसद में हेट स्पीच के मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा उत्तराखंड शासन-प्रशासन को सख्त आदेश दिए जाने के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा इस हिंदू महापंचायत के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी।

❑आनंद स्वरूप को आश्रम में किया होम अरेस्ट
❑ड्रोन से निगरानी, आला अधिकारी मौके पर

महापंचायत करने से रोके जाने को लेकर आयोजकों में भारी नाराजगी है। आज पुलिस द्वारा अरेस्ट किए गए स्वामी आनंद स्वरूप का कहना है कि मुसलमान अगर बैठक करते हैं तो उस पर शासन प्रशासन चुप रहता है और हम हिंदू अगर महापंचायत करते हैं तो उस पर पुलिस का पहरा बैठा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन बलपूर्वक कब तक हमें रोक सकता है उन्होंने कहा कि दमन से ज्वालामुखी को फटने से नहीं रोका जा सकता है।

उधर पुलिस द्वारा डांडा जलालपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। महापंचायत स्थल के 10 किलोमीटर के दायरे में धारा 144 लागू कर दी गई है। तथा ड्रोन के जरिए निगरानी की जा रही है जिले के तमाम आला अधिकारी डाडा जलालपुर में डेरा जमाए हुए हैं।

आज स्थिति का जायजा लेने पहुंचे जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे ने कहा कि स्थिति सामान्य है स्कूल, बाजार सब खुले हुए हैं एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक टकराव को टालने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। स्थिति सामान्य होने तक क्षेत्र की चौकसी जारी रहेगी।

सरकार की उदासीनता के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधि भड़के

नगर संवाददाता

पिथौरागढ़। नए शिक्षा सत्र को शुरू हुए एक माह का समय बीतने को है, अभी तक कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए सरकार द्वारा नि:शुल्क दिए जाने वाली किताबें नहीं पहुंच पाई है। इस कारण बच्चों के पठन-पाठन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सरकार की इस उदासीनता से पंचायत प्रतिनिधि भड़क गए है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर किताबें नहीं आई तो ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चों को निशुल्क किताबें, वेशभूषा दी जाती है। शिक्षा सत्र शुरू हुए एक माह का समय बीतने में कुछ ही दिन शेष बचे है, लेकिन अभी तक इन बच्चों को किताबें उपलब्ध नहीं हो पाई है।

सरकार की उदासीनता के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के प्रदेश अध्यक्ष तथा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के प्रति सरकार की उदासीनता बर्दाश्त करने लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि सरकारी स्कूल बंद हो जाए और उनके कार्यकर्ता प्राइवेट स्कूल खोल कर रोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा सके। इसलिए सरकार जानबूझकर गरीब परिवारों के बच्चों को किताबें उपलब्ध नहीं करा पा रही है ।

उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले ही किताबों की चिंता करनी चाहिए थी। आज एक माह का समय बीतने को हो है, छात्रों के हाथों में किताबें नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने एक सप्ताह के भीतर स्कूल में किताबें नहीं पहुंचाई तो सरकार के खिलाफ जिले के आठ विकास खंडों में आंदोलन का बिगुल फूंक दिया जाएगा।

सैक्स रैकेट का खुलासा, चार युवतियों सहित सात गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में सैक्स रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा एक होटल में छापेमारी कर चार युवतियों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते कुछ समय से पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को सूचनाए मिल रही थी कि क्षेत्र में एक होटल में कुछ लोगों द्वारा सैक्स रैकेट चलाया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा जब जांच शुरू की गयी तो मामला सही पाया गया। मामले से अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस, एसओजी व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल द्वारा एक सूचना के बाद आज सुबह हरिद्वार की पॉश कॉलोनियों में शुमार गोविंदपुरी के एक होटल में छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान बाहर से बुलाई गई चार कॉलगर्ल के साथ तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि सैक्स रैकेट संचालक जस्ट डायल के माध्यम से यह कारोबार चला रहे थे। पुलिस टीम द्वारा होटल को सीज कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में होटल से ही सेक्स रैकेट चलाने वाली उमा उर्फ पूजा निवासी दिल्ली के साथ तीन अन्य युवतियां व तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनमे से एक कनखल व एक ज्वालापुर का रहने वाला बताया जा रहा है।

बाल सुरक्षा के साथ शिक्षा..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अध्यक्ष गीता खन्ना ने कहा कि यह अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को हर अच्छी-बुरी बात से अवगत कराएं क्या ठीक है और क्या गलत है अगर उन्हें नहीं बताया जाएगा तो वह गलत सही में अंतर नहीं कर सकेंगे। वक्ताओं ने इस कार्यशाला में बच्चों के शारीरिक व मानसिक शोषण की तमाम बारीकियों के बारे में अपने विचार रखे और कहा कि बुराई को छिपाये नहीं उजागर करें यह बहुत जरूरी है। सिर्फ कानून बनाने से कुछ नहीं होता कानून की जानकारी भी जरूरी है तभी उसका उपयोग किया जा सकता है इस मौके पर काबीना मंत्री रेखा आर्य सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।